पत्ते पत्ते डाली डाली,
मेरा राम वसदा,
सारी सृष्टि दा है वाली,
मेरा राम सबदा।।

किसने जानी राम जी माया,
किसने भेद राम दा है पाया,
ऋषि मुनियां ने इस नू ध्याया,
मेरा राम सबदा,
पत्तें पत्तें डाली डाली,
मेरा राम वसदा।।

ए संसार है राम दा मंदिर,
राम ही रमैया सब दे अन्दर,
वसदा मेरे वी मन अंदर,
मेरा राम सबदा,
पत्तें पत्तें डाली डाली,
मेरा राम वसदा।।

राम दे रूप दी छटा निराली,
अखियां पीवन भर भर प्याली,
दर तो जावा ना मैं खाली,
मेरा राम सबदा,
पत्तें पत्तें डाली डाली,

मेरा राम वसदा।।

सब दे मालिक पालन हारे,
दर्शन दे मेरे राम प्यारे,
राहवां तक तक नैना हारे,
करा मैं सजदा,
पत्तें पत्तें डाली डाली,
मेरा राम वसदा।।

पत्ते पत्ते डाली डाली,
मेरा राम वसदा,
सारी सृष्टि दा है वाली,
मेरा राम सबदा।।

स्वर घनश्याम मिढ़ा।
भिवानी, 9034121523

Source: https://www.bharattemples.com/patte-patte-dali-dali-mera-ram-vasda/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw